व.व.अ.सं., जोरहाट ने गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री पर तकनीकी कार्यशाला का आयोजन किया

जोरहाट स्थित भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान ने असम कृषिवानिकी विकास बोर्ड (एएडीबी) की वित्तीय सहायता से 12 अगस्त, 2023 को एक दिवसीय 'गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री पर तकनीकी कार्यशाला' का आयोजन किया है। कार्यशाला में संस्थान के वैज्ञानिकों और अधिकारियों के अलावा असम वन विभाग, असम कृषि विश्वविद्यालय, टोकलाई चाय अनुसंधान संस्थान, चाय संपदा, लकड़ी और प्लाईवुड उद्योग, एफपीओ, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ, टीओएफआई जैसे क्षेत्रों के 45 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. सोनाली घोष, आईएफएस, सीसीएफ (अनुसंधान) और सीईओ, एएडीबी, असम द्वारा किया गया।

प्रारंभ में, डॉ. आर. के. बोरा ने प्रतिभागियों और आमंत्रित वक्ताओं का स्वागत किया और वृक्षारोपण प्रबंधन के क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के महत्व के बारे में चर्चा की। कार्यशाला में दस विशेषज्ञ व्यक्ति थे जिन्होंने गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के उत्पादन और अनुप्रयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

डॉ. घोष ने असम में कृषि वानिकी की नये आयाम, लकड़ी आधारित उद्योगों और वन-क्षेत्र के बाह्य वृक्षों के नियमों पर पहली तकनीकी प्रस्तुति दी। उन्होंने कृषि वानिकी के क्षेत्र में असम सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहलों पर प्रकाश डाला। अन्य विशेषज्ञ व्यक्ति डॉ. ए. बाबू, निदेशक, टोकलाई चाय अनुसंधान संस्थान, जोरहाट; डॉ. के. के. शर्मा, मुख्य कृषि विज्ञानी (सेवानिवृत्त), एएयू, जोरहाट; डॉ. तरूण कांत, वैज्ञानिक जी, एएफआरआई, जोधपुर, राजस्थान; डॉ. भाबेश गोगोई, वैज्ञानिक, एएयू, जोरहाट; मतिउर रहमान, डीएफओ, एसएफ, करीमगंज; संस्थान के वैज्ञानिक, डॉ. आर.के. बोरा, डॉ. सत्यम बोरदोलोई, डॉ. विश्वनाथ शर्मा, डॉ. एम.के. सिंह; डॉ. कर्मा ग्याल्पो भूटिया ने असम में कृषि वानिकी परिदृश्य, पेड़ों के साथ समानांतर फसल के लिए चाय बागान क्षेत्रों का वैज्ञानिक उपयोग, गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री की अवधारणा और इसके महत्व, क्यूपीएम के संबंध में बीज प्रौद्योगिकी की बुनियादी अवधारणा, गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री, गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री में हालिया प्रगति, क्यूपीएम के लिए पोषक तत्व प्रबंधन अभ्यास आदि के संबंध में व.व.अ.स. की अनुसंधान गतिविधियों जैसे विभिन्न विषयों को कवर किया।

आशा है कि कार्यशाला की सिफारिशें असम में लकड़ी आधारित क्रांति का मार्ग प्रशस्त करेंगी और कृषि वानिकी और वन-क्षेत्रों के बाह्य वृक्षों (टीओएफ) के क्षेत्र में असम सरकार के चल रहे प्रयासों को भी काफी हद तक मजबूत करेंगी। कार्यशाला के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

GLIMPSES OF THE TECHNICAL WORKSHOP

गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री पर तकनीकी कार्यशाला | 2023

गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री पर तकनीकी कार्यशाला | 2023

गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री पर तकनीकी कार्यशाला 2023

RFRI, Jorhat organizes 'Technical Workshop on Quality Planting Material'

CHRONICLE NEWS SERVICE

JORHAT: Jorhat based ICFRE-Rain Forest Research Institute has organized day-long 'Technical Workshop on Quality Planting Material' on 12th August, 2023 with financial assistance from Assam Agroforestry Development Board (AADB). More than 45 participants from sectors such as Assam Forest Department, Assam Agricultural University, Tocklai Tea Research Institute, Tea Estates, Wood and Plywood Industries, FPOs, WWF, TOFI, apart from Scientists and Officers of the Institute attended the Workshop. The Workshop was inaugurated by Dr. Sonali Ghosh, IFS, CCF (Research) and CEO, AADB, Assam.

At the outset, Dr. R. K. Borah welcomed the participants and invited speakers and spoke about the importance of quality planting material in the areas of plantation management. There were ten resource persons who spoke on various aspects of production and application of quality planting material.

Dr. Ghosh delivered the first technical presentation on New Frontiers of Agroforestry, Wood Based Industries and Tree Outside Forests rules in Assam. She highlighted various initiatives undertaken by Government of Assam in the field of Agroforestry. Other resource persons were Dr. A. Babu, Director, Tocklai Tea Research Institute, Jorhat; Dr. K. K. Sharma, Chief Agronomist (Rtd), AAU, Jorhat; Dr. Tarun Kant, Scientist G, AFRI, Jodhpur, Rajasthan; Dr. Bhabesh Gogoi, Scientist, AAU, Jorhat; Matiur Rahman, DFO, SF, Karimganj; Scientists from the Institute, Dr. R. K. Borah, Dr. Satyam Bordoloi, Dr. Vishwanath Sharma, Dr. M. K. Singh; Dr. Karma G. Bhutia who covered various topics such as Agroforestry scenario in Assam, Scientific utilization of tea garden areas for parallel cropping with trees, Concept of Quality Planting Materials and its significance, Basic concept of seed technology in relation to QPM, Research activities of RFRI with regards to Quality Planting Materials, Recent advances in Quality Planting Materials, Nutrient management practice for QPM etc.

It is expected that recommendations of the Workshop will pave the path for wood based revolution in Assam and also strengthen the ongoing efforts of Assam Government in the field of Agroforestry and Trees Outside Forests (TOF) to a great extent. Certificates were presented to the participants at the end of the Workshop.

Aug 13, 2023

দেওবৰীয়া
দৈনিক জনমভূমি
e-paper : www.dainikjanambhumi.co.in | Dainik Janambhumi
THE DAINIK JANAMBHUMI Guwahati Sunday August 13, 2023
P-9

PRAG NEWS
Rengoni
NE NEWS

বৰ্ষাৰণ্য প্ৰতিষ্ঠানত গুণগত মানৰ ৰোপণ সামগ্ৰীৰ কাৰিকৰী কৰ্মশালা

যোৰহাট ঃ ১২ আগষ্ট ঃ যোৰহাটস্থিত বৰ্ষাৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠানত এদিনীয়া কাৰ্যসূচীৰে 'গুণগত মানৰ ৰোপণ সামগ্ৰীৰ কাৰিকৰী কৰ্মশালা' এখন আজি অনুষ্ঠিত হয়। অসম কৃষি বনানীকৰণ উন্নয়ন ব'ৰ্ডৰ পৃষ্ঠপোষকতাত অনুষ্ঠিত হোৱা এই কৰ্মশালাত অসমৰ ৪৫গৰাকী ব্যক্তিয়ে অংশগ্ৰহণ কৰে। ইয়াৰ ভিতৰত অসম চৰকাৰৰ বন বিভাগ, টোকোলাই চাহ গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠান, অসমৰ আগশাৰীৰ কেইবাখনো চাহ বাগিচা, যোৰহাটৰ গাট্টানী উদ্যোগ, কৃষক উৎপাদন সংস্থা, বনাঞ্চলৰ বাহিৰৰ গছৰ সৈতে জড়িত সংস্থা, নানান বেচৰকাৰী সংস্থা বিশ্ব বন্যপ্ৰাণী পুঁজি আৰু প্ৰতিষ্ঠানৰ বিজ্ঞানী-বিষয়া অন্যতম। কৰ্মশালা উদ্বোধন কৰে অসম কৃষি বনানীকৰণ উন্নয়ন ব'ৰ্ডৰ মুখ্য কাৰ্যবাহী বিষয়া ড° সোণালী ঘোষে। প্ৰতিষ্ঠানৰ সঞ্চালক ড° ৰাজীৱ কুমাৰ বৰাই কৰ্মশালাৰ আৰম্ভণিতে সকলোকে আদৰণি জনায়। এই কৰ্মশালাত সম্বল ব্যক্তি ৰূপে উপস্থিত থাকে যোধপুৰত অৱস্থিত শুষ্ক বন গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠানৰ জ্যেষ্ঠ বিজ্ঞানী ড° তৰুণ কান্ত, টোকোলাই চাহ গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠানৰ সঞ্চালক ড° এ বাবু, অসম কৃষি বনানীকৰণ উন্নয়ন ব'ৰ্ডৰ মুখ্য কাৰ্যবাহী বিষয়া ড° সোণালী ঘোষ, অসম কৃষি বিশ্ববিদ্যালয়ৰ অৱসৰপ্ৰাপ্ত বিজ্ঞানী ড° কে কে শৰ্মা, বিজ্ঞানী ভৱেশ গগৈ, বন বিষয়া মতিউৰ ৰহমান আৰু বৰ্ষাৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠানৰ বিজ্ঞানী যথাক্ৰমে ড° ৰাজীৱ কুমাৰ বৰা, ড° সত্যম বৰদলৈ, ড° মনীষ কুমাৰ সিং, ড° বিশ্বনাথ শৰ্মা, ড° কৰ্মা গ্যালপো ভূটীয়া। সম্বল বিষয়াসকলে বিভিন্ন বিষয়ত যেনে— অসমৰ কৃষি বনানীকৰণ, চাহ বাগিচাৰ ভূমিৰ বৈজ্ঞানিক ব্যৱহাৰ, গুণগত মানৰ ৰোপণ সামগ্ৰীনো কি, এইবোৰ তৈয়াৰ কৰাত বীজৰ ভূমিকা, গুণগত মানৰ ৰোপণ সামগ্ৰীৰ শেহতীয়া উন্নয়ন, ভূমিৰ গুণগত মান, বনপুলি বাগানৰ বিভিন্ন সমস্যা আদি কৰি অনেক বিষয়ত পৰ্যালোচনা আগবঢ়ায়। অংশগ্ৰহণকাৰী প্ৰশিক্ষাৰ্থীসকলে বিভিন্ন বিষয়বস্তুৰ সম্পৰ্কে বিভিন্ন চিন্তা উদ্ৰেককাৰী প্ৰশ্ন সোধে আৰু সম্বল ব্যক্তিসকলে ইয়াৰ যথাযথ উত্তৰ প্ৰদান কৰে।